तैयारी | 139 दिन की जगह 153 दिन हो गई अब बाढ़ अवधि, जल संसाधन विभाग ने विधिवत बाढ़ संघर्षात्मक कार्य शुरू किया

बिहार में बाढ़ अवधि 14 दिन बढ़ी, पहली जून से हो गई शुरू

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। राज्य सरकार ने बाढ़ अवधि का विस्तार कर दिया है। अब सूबे में बाढ़ अवधि 139 की जगह 153 दिनों की होगी। इससे बाढ़ पूर्व की तैयारियों को तो ताकत मिलेगी ही, बाढ़ अवधि में भी बेहतर प्रबंधन हो सकेगा। प्रदेश में अबतक 15 जून से 31 अक्टूबर तक बाढ़ अवधि होती थी, लेकिन अब इसे 15 जून के स्थान पर 1 जून से ही प्रारंभ माना जाएगा। यानी बाढ़ की अवधि 14 दिन बढ़ाई गई है। बुधवार से बाढ़ अवधि की विधिवत शुरुआत हो गयी। इसी दिन से पूरे प्रदेश में बाढ़ संघर्षात्मक कार्य भी शुरू हो गए। इस दौरान मिट्टी के कार्य भी होंगे व तमाम कटाव निरोधी कार्यों की मॉनिटरिंग होगी। पिछले दिनों विभागीय समीक्षा में जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा ने कहा था कि मौसम में बदलाव को देखते हुए विभाग इस वर्ष एक जून से ही बाढ़ संघर्षात्मक कार्य शुरू कर देगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर मंत्री ने विधायकों व विधानपार्षदों के साथ बाढ़ पर फीडबैक के क्रम में यह जानकारी दी थी। दरअसल, पिछले साल गंडक में 16-17 जून को ही अप्रत्याशित रूप से भीषण बाढ़ आ गयी। इसके कारण गोपालगंज में स्थिति बेकाबू हो गयी थी। हालांकि जल संसाधन मंत्री संजय झा की लगातर मॉनिटरिंग व विभाग के इंजीनियरों की कड़ी मेहनत से स्थिति अधिक नहीं बिगड़ी, पर यह प्राकृतिक आपदा सरकार को सीख दे गयी।

15

जून से 31 अक्टूबर तक बाढ़ की अवधि होती थी प्रदेश में अबतक

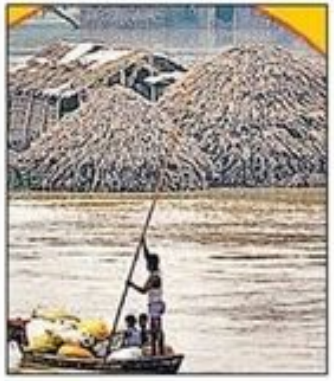

पटना में गंगा लाल निशान से 6 मीटर नीचे

गंगा नदी अभी पटना में खतरे के निशान से काफी नीचे है। यह पटना के दीघा में खतरे के निशान से 7.52 मीटर नीचे है, जबकि गांधीघाट पर 6.06 मीटर और हाथीदह में खतरे के निशान से 7.18 मीटर नीचे बह रही है।

पहली बार एक जून को ही नदियों का जलस्तर हुआ जारी

पहले दिन सूबे की प्रमुख नदियों का जलस्तर

नदी	खतरे के निशान से कितना नीचे
गंडक	1.72 मीटर: गोपालगंज
कोसी	1.66 मीटर: सुपौल
बागमती	1.44 मीटर, मुजफ्फरपुर
बूढ़ी गंडक	5.01 मीटर, समस्तीपुर
कमला बलान	0.30 मीटर, मधुबनी
भूतही	0.91 मीटर, मधुबनी
गंगा	6.49 मीटर, भागलपुर
पुनपुन	5.82 मीटर, पटना
महानंदा	1.92 मीटर, पूर्णिया
घाघरा	4.68 मीटर, सीवान